



Pramsu



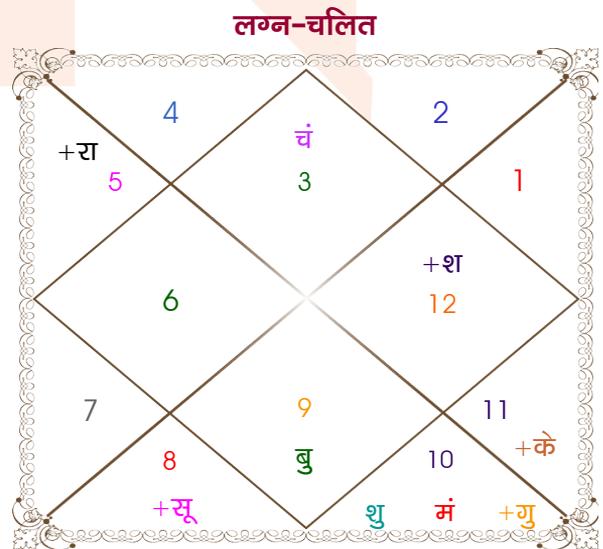
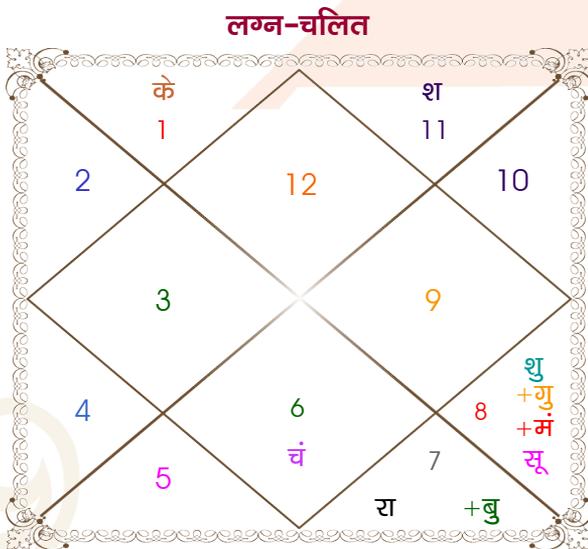
Sadik sha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121053702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
18/11/1995 :	जन्म तिथि	: 14/12/1997
शनिवार :	दिन	: रविवार
घंटे 14:54:13 :	जन्म समय	: 18:03:00 घंटे
घटी 20:19:22 :	जन्म समय(घटी)	: 27:22:42 घटी
India :	देश	: Nepal
Alwar :	स्थान	: Kathmandu
27:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:05:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 86:15:00 पूर्व
घंटे -00:23:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:04:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:46:28 :	सूर्योदय	: 06:45:59
17:30:57 :	सूर्यास्त	: 17:12:50
23:48:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:37

विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 11मा 5दि राहु 24/10/2014 23/10/2032	अंश 12:39:36 01:45:17 05:42:27 27:02:12 28:57:31 25:51:15 24:48:24 24:12:17 02:25:45 02:25:45 03:29:27 29:30:30 06:29:54	राशि मीन वृश्चि कन्या वृश्चि तुला वृश्चि वृश्चि कुंभ व तुला मेष मक धनु वृश्चि	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध व गुरु शुक्र शनि व राहु व केतु व हर्ष नेप प्लूटो	राशि मिथु वृश्चि मिथु मक धनु मक मक मीन सिंह कुंभ मक मक वृश्चि	अंश 11:14:28 28:43:05 03:50:19 03:14:09 05:18:08 25:00:09 07:15:35 19:42:38 20:25:41 20:25:41 12:24:54 04:30:48 12:18:00	विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 5मा 24दि गुरु 09/06/2017 09/06/2033	गुरु 28/07/2019 08/02/2022 15/05/2024 21/04/2025 21/12/2027 09/10/2028 08/02/2030 14/01/2031 09/06/2033
---	--	---	---	---	--	--	---



Janm yoga Darpan

Kathmandu Nepal
+977 9851044647
pathajiaastro09@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

Pramsu का वर्ग मूषक है तथा Sadik sha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pramsu और Sadik sha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pramsu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Sadik sha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sadik sha कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sadik sha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।

Janm yoga Darpan

Kathmandu Nepal
+977 9851044647
pathajiaastro09@gmail.com

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् । ।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है ।

क्योंकि राहु Pramsu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

Pramsu तथा Sadik sha में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।

